भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 551

जिसका उत्तर 28 नवंबर, 2024 को दिया जाना है।

.....

झांसी जिले में घटता भूजल स्तर

551. श्री अनुराग शर्मा:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) झांसी जिले सहित बुंदेलखंड क्षेत्र में घटते भूजल के कारण उत्पन्न चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश के झांसी जिले में अटल भूजल योजना के अंतर्गत सामुदायिक सहभागिता रणनीतियों, संरक्षण प्रयासों और निगरानी तंत्र सहित सरकार द्वारा उठाए गए/उठाए जाने वाले उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त क्षेत्र में भूजल स्तर और जल प्रबंधन प्रथाओं के संबंध में उठाए गए उपायों का क्या प्रभाव पड़ा है; और

(ग) बुंदेलखंड के विशेष संदर्भ में उत्तर प्रदेश में उक्त योजना के अंतर्गत बजट आंवटन और उपयोग का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क): उत्तर प्रदेश के झाँसी जिले में अटल भूजल योजना के अंतर्गत निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:

i. झांसी जिले में, अटल भूजल योजना मऊरानीपुर (16 ग्राम पंचायत) और बबीना ब्लॉक (15 ग्राम पंचायत) की **31 जल-संकटग्रस्त ग्राम पंचायतों (जीपी)** में कार्यान्वित की जा रही है।

ii. भूजल परिदृश्य की निगरानी के लिए, अटल भूजल योजना के अतंर्गत उपरोक्त सभी चयनित 31 ग्राम पंचायतों में डिजिटल वाटर लेवल रिकॉर्डर **(डीडब्ल्यूएलआर)** से लैस एक पीज़ोमीटर स्थापित किया गया है।

iii. उपरोक्त 31 ग्राम पंचायतों में भूजल संरक्षण और सतत प्रबंधन के बारे में नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित किए गए हैं। प्रशिक्षणों में भूजल के मांग पक्ष प्रबंधन के माध्यम से जल संरक्षण और जल बचत के बारे में आवश्यक जानकारी भी दी जाती है, जिसे सामुदायिक स्तर पर किया जा सकता है। पिछले चार वर्षों में, अटल भूजल योजना ने झांसी में 369 ग्राम पंचायत स्तर के प्रशिक्षण, 13 ब्लॉक स्तर के प्रशिक्षण और 4 जिला स्तर के प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं। विविध उद्देश्यों के साथ सभी हितधारकों की क्षमता निर्माण के लिए अटल भूजल योजना के तहत प्रशिक्षण आयोजित करना एक सतत गतिविधि है।

iv.इसके अतिरिक्त, वर्ष 2023 और 2024 के दौरान, पूरे क्षेत्र में जल संरक्षण पहलों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए अटल जल शक्ति यात्रा और जल कोष यात्रा का

आयोजन किया गया। विभिन्न अन्य आईईसी गतिविधियों के अलावा वर्ष 2022 में सभी अटल जल ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण के लिए ऑडियो और विजुअल संदेशों को दर्शाते हुए एक डिजिटल भूजल रथ अभियान का भी आयोजन किया गया।

v.अटल भूजल योजना के तहत सभी 31 ग्राम पंचायतों में कुल 1,688 हेक्टेयर भूमि (मार्च 2024 तक) को सूक्ष्म सिंचाई, भूमिगत पाइपलाइन स्थापना, मल्चिंग और फसल विविधीकरण सहित कुशल जल उपयोग प्रथाओं के अंतर्गत लाया गया है।

vi. विभिन्न राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से झांसी जिले की अटल भूजल योजना की ग्राम पंचायतों में 9.48 करोड़ रुपये (मार्च 2024 तक) की राशि से जल संरक्षण कार्य, जिसमें नए तालाबों का निर्माण, पुराने तालाबों का पुनरुद्धार, चेक-डैम, गली प्लग, छत पर वर्षा जल संचयन संरचनाएं, खेत तालाब, सोखने वाले गड्ढे, ब्लास्ट कुएं, समोच्च खाइयां, नाला विकास, सूक्ष्म सिंचाई आदि शामिल हैं, पूरी की गई।

(ख): पिछले पांच वर्षों में भूजल स्तर की देखी गई प्रवृत्ति के अनुसार, अटल भूजल योजना के तहत भागीदारी जल प्रबंधन के लिए किए गए उपायों सहित विभिन्न कारकों के परिणामस्वरूप, जिला झांसी में भूजल स्तर में क्रमिक सुधार हुआ है।

(ग): अटल भूजल योजना के दो घटक हैं, अर्थात (i) संस्थागत सुदृढ़ीकरण और क्षमता निर्माण (आईएसएंडसीबी) घटक, जिसका उद्देश्य भाग लेने वाले राज्यों में भूजल शासन तंत्र को मजबूत करना है, और (ii) प्रोत्साहन घटक, जिसका उद्देश्य भूजल संसाधनों की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विभिन्न उपायों के लिए राज्यों को पुरस्कृत/प्रोत्साहित करना है। उत्तर प्रदेश राज्य के लिए अटल भूजल योजना के अंतर्गत अब तक (21.11.2024 तक) अनुमानित आवंटन, जारी की गई राशि और व्यय निम्नानुसार है:

(सभी आंकड़े करोड़ रुपये में)

योजना के दौरान कुल अनुमानित आवंटन			**अब तक जारी की गई राशि**			**अब तक का व्यय**		
आईएस&सीबी	**प्रोत्साहन**	**कुल**	**आईएस&सीबी**	**प्रोत्साहन**	**कुल**	**आईएस&सीबी**	**प्रोत्साहन**	**कुल**
119.28	609.96	729.24	47.59	150.94	198.53	47.56	109.16	156.72

बुंदेलखंड क्षेत्र (अर्थात 6 जिले अर्थात झांसी, ललितपुर, बांदा, हमीरपुर, चित्रकूट और महोबा) के लिए अटल भूजल योजना के तहत 98.92 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि आवंटित की गई है और अब तक 69.98 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

*****